कछुआ और हंस

16

(कहानी)

एक तालाब के किनारे दो हंस रहते थे। उसी तालाब में 'तोबक' नाम का कछुआ रहता था। तीनों में बड़ी गहरी दोस्ती थी।

एक दिन तोबक ने हंसों से कहा, "मुझे भी अपने साथ घुमाने ले चलो!" हंस किसी पेड़ की डाल से लकड़ी ले आए। कछुए ने लकड़ी को मुँह में दबा लिया। हंस कछुए को लेकर आकाश में उड़ चले।

तोबक को दूर तक फैला आकाश और *समुद्र* बहुत अच्छा लगा। अचानक उसने समुद्र के पानी का एक ऊँचा फुव्वारा उठता देखा। खुश होकर वह हँस पड़ा। जैसे ही उसका मुँह खुला, वह गहरे समुद्र में जा गिरा।

तोबक *चकित* रह गया। वह तो एक दूसरे ही *संसार* में आ गया था। यहाँ तो चारों ओर पानी ही पानी था। अचानक उसे एक बहुत बड़ा कछुआ दिखाई दिया। वह बोला, "अरे भई, तुम कहाँ से आए हो? तुम्हारा नाम क्या है?"

कछुए ने कहा, "मेरा नाम तोबक है। मैं दूर देश से सैर करने आया हूँ। आपका क्या नाम है?"

"मुझे 'टीबर' कहते हैं। मेरे साथ चलो, मैं तुम्हें समुद्र की सैर करा दूँगा।"

टीबर उसे अपने साथ ले गया। "इसे देखो, तोबक! यह व्हेल है। यह हाथी से लगभग सौ गुना बड़ी होती है। इसके पेट में ट्रक के बराबर खाना आ जाता है," टीबर ने बताया।

अचानक एक ओर से उछलती-कूदती और शोर मचाती मछलियों का एक झुंड आता दिखाई दिया। तोबक ने घबराकर कहा, "अरे! ये कौन-सी मछलियाँ हैं? टीबर ने बताया, "ये डॉलफिन हैं। इन्हें *बातूनी* मछलियाँ कहते हैं। कई बार इन्होंने समुद्र में डूबते हुए लोगों को बचाया भी है।

तोबक ने बड़े-बड़े घोंघे, केकड़े, रंगीन मछलियाँ, पाँच कोन वाली सितारा मछली, झींगे और स्पंज देखे। एक ओर से आठ हाथों वाला ऑक्टोपस चला आ रहा था।

तोबक बोला, "समुद्र तो अचरज से भरा पड़ा है।" टीबर उसे ऐसी मछलियाँ दिखाने ले गया, जिनकी आँखों से बहुत तेज़ रोशनी निकल रही थी। तोबक खुशी से झूम उठा।

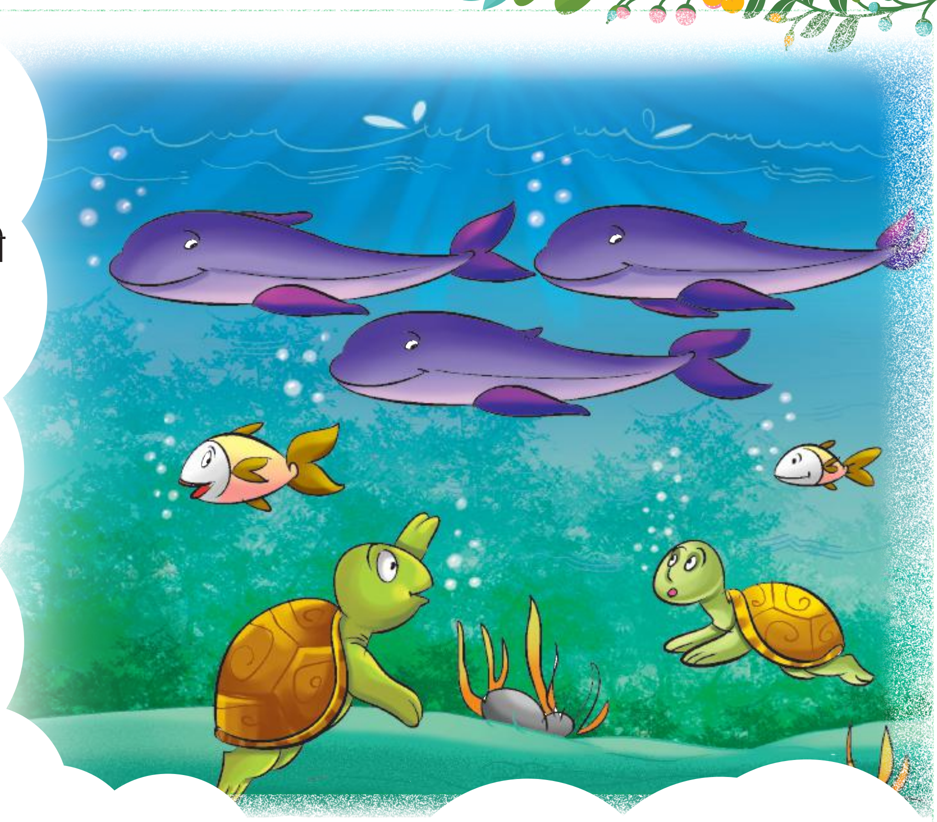

टीबर ने बताया, "कुछ मछलियाँ ऐसी भी होती हैं जिनसे बिजली के झटके लगते हैं। कई मछलियों की *आकृति* साँप और घोड़े जैसी भी होती है।"

तोबक ने पूछा, "समुद्र का पानी तो बड़ा *खारा* है। क्या पानी के हरे-भरे पौधे भी नमकीन होते हैं?"

टीबर बोला, "नमक मिला होने से पानी तो खारा होता है, परंतु पौधे नमकीन नहीं होते। समुद्र के एक पौधे से तो चीनी से भी ज्यादा मीठा *पदार्थ* बनाया जाता है।"

"अच्छा!" *आश्चर्य* से तोबक ने कहा "यहाँ के प्यारे-प्यारे जीव-जंतुओं, रंगीन मछलियों और सुंदर-सुंदर पौधों को देखकर जी करता है कि मैं यहीं रह जाऊँ। क्या मैं यहाँ रह सकता हूँ?"

टीबर बोला, "ज़रूर, तुम, खुशी से यहाँ रहो।" तोबक तब से गहरे समुद्र में रहने लगा।

शब्द-अर्थ

समुद्र — सागर *(sea)*,
संसार — दुनिया *(world)*,
आकृति — आकार *(form, shape)*,
खारा — नमकीन *(saline)*,
चकित — हैरान *(startle)*,
बातूनी — जो ज्यादा बोलता है *(loquacious)*,
पदार्थ — वस्तु *(substance)*,
आश्चर्य — अचरज *(wonder)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

समुद्र	फुव्वारा	सैर	व्हेल	डॉलफिन	बातूनी
ऑक्टोपस	घोंघे	अचरज	साँप	पदार्थ	आश्चर्य

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) तोबक कौन था और कहाँ रहता था?

(ख) तोबक ने हंसों से क्या कहा?

(ग) हंस उसे अपने साथ कैसे लेकर गए?

(घ) टीबक कौन था?

(ङ) समुद्र का पानी कैसा होता है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) दो हंस कहाँ रहते थे?

☐ गड्ढे में ☐ झील में ☐ तालाब के किनारे

(ख) हंस कछुए को लेकर कहाँ चले?

☐ नदी में ☐ समुद्र में ☐ आसमान में

(ग) तोबक समुद्र में कैसे जा गिरा?

☐ हँसने पर ☐ रोने पर ☐ अधिक बोलने पर

(घ) तोबक समुद्र में पहुँचकर चकित रह गया क्योंकि–

☐ वहाँ चारों ओर पानी ही पानी था। ☐ उसे धरती नहीं दिखाई दे रही थी।

☐ वह बिल्कुल अनजान जगह थी।

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

संसार, जल, मित्रता, आसमान, सागर

(क) हंसों और कछुए में गहरी .... थी।

(ख) तोबक को दूर तक फैला .... बहुत अच्छा लगा।

(ग) तोबक एक दूसरे ही .... में आ गया था।

(घ) .... तो अचरज से भरा है।

(ङ) नमक मिला होने से .... तो बड़ा खारा होता है, किंतु पौधे नमकीन नहीं होते।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) जैसे ही तोबक का मुँह खुला, वह गहरे समुद्र में जा गिरा। ☐

(ख) व्हेल के पेट में एक रोटी के बराबर खाना आ जाता है। ☐

(ग) ऑक्टोपस के आठ हाथ होते हैं। ☐

(घ) कुछ मछलियों की आकृति छिपकली और चिड़िया जैसी होती है। ☐

(ङ) कुछ मछलियों से बिजली के झटके भी लगते हैं। ☐

(च) समुद्र के एक पौधे से मीठा पदार्थ बनाया जाता है। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) गहरे समुद्र में गिरने पर तोबक को कौन मिला?

(ख) तोबक ने बड़े कछुए से क्या कहा?

(ग) कौन-सा जीव हाथी से कई गुणा बड़ा होता है?

(घ) तोबक ने समुद्र में और कौन-कौन से जीव देखे?

(ङ) समुद्र के भीतर जीव-जंतुओं के अनोखे संसार के विषय में पढ़कर आपको कैसा लगा?

भाषा-ज्ञान

1. अब आप नीचे दिए गए वाक्यों में से विशेषण छाँटकर अलग लिखिए—

(क) समुद्र का पानी तो बड़ा खारा है।

(ख) तीनों में गहरी दोस्ती थी।

(ग) आँखों से तेज रोशनी निकल रही थी।

(घ) एक तालाब के किनारे दो हंस रहते थे।

(ङ) अचानक तोबक ने समुद्र में पानी का ऊँचा फुव्वारा उठता देखा।

2. वचन बदलकर लिखिए—

(क) मछली	....	(ख) केकड़ा	....
(ग) तितली	....	(घ) पौधा	....
(ङ) नदी	....	(च) घोड़ा	....
(छ) डाली	....	(ज) झींगा	....

3. उचित कारक चिह्नों से खाली स्थान भरिए—

(क) वह तो एक दूसरे ही संसार .... आ गया था।

(ख) मैं दूर देश .... सैर करने आया हूँ।

(ग) एक तालाब .... किनारे दो हंस रहते थे।

(घ) कई मछलियों .... आकृति साँप और घोड़े जैसी भी होती है।

(ङ) .... ! ये कौन-सी मछलियाँ हैं?

(च) तोबक .... बड़े-बड़े घोंघे, केकड़े, रंगीन मछलियाँ, झींगे, स्पंज आदि देखे।

से
ने
की
अरे
में
के

क्रियात्मक गतिविधि

- **वर्ग-पहेली से ढूँढ़कर लिखिए, कौन कहाँ रहता है?**

ऑ	गैं	हर	थी	बं	क
क्टो	डा	व्हे	ल	द	जि
प	झीं	म	ग	र	रा
स	गा	य	स	ब	फ
तो	ता	गौ	रै	या	ध

पानी में	पेड़ पर	धरती पर
....	....	....
....	....	....
....	....	....

- **मान लीजिए कि आपने सपने में दो अनोखे जीव देखे। यदि वे जीव वास्तव में आपके सामने आ जाएँ, तो क्या होगा? अपनी प्रतिक्रिया पाँच से छह वाक्यों में लिखिए—**

....

....

....

....

....